



ब्रह्माकुमारीज संगठन में सुरक्षा सेवा प्रभाग सम्मेलन का सफल आयोजन

प्रतिष्ठा की रक्षा करना सुरक्षाबलों की प्राथमिकता

ज्ञानसरोवर-माउण्ट आबू। ब्रह्माकुमारीज के सुरक्षा प्रभाग की ओर से ज्ञान सरोवर अकादमी परिसर में आयोजित कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पुलिसमहानिदेशक (होमगार्ड) दिल्ली, अजय

महानिदेशक(रेलवे सुरक्षा बल) दिल्ली, पी.के. अग्रवाल ने कहा कि सुरक्षा की विभिन्न तकनीकियों को सीखने की कोई सीमा नहीं होती। जीवन के हर मोड़ पर जिज्ञासु प्रवृत्ति बनी रहनी चाहिए। पुलिस महानिरीक्षक, निदेशक

होना पड़ता है। प्रभाग अध्यक्ष अशोक गाबा ने कहा कि विषम परिस्थितियों में भी सुरक्षित रहने के लिए राजयोग मेडिटेशन कारगर साबित होता है। राजयोग से हम सुरक्षा कर्तव्य को बखूबी निभा सकते हैं। सुरक्षा प्रभाग उपाध्यक्ष ब्र.कु.



स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे के साथ सम्मेलन का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. योगिनी, ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्र.कु. शिवानी, डॉ. बनारसी शाह, ब्र.कु. शशि प्रभा, डॉ. गिरिश, डॉ. प्रताप मिहड़ा

चिकित्सा पद्धति में राजयोग को शामिल करना समय की मांग

ज्ञानसरोवर-माउण्ट आबू। ब्रह्माकुमारीज के चिकित्सा सेवा प्रभाग की ओर से ज्ञान सरोवर अकादमी परिसर में आयोजित चार दिवसीय चिकित्सकीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने कहा कि चिकित्सा पद्धति में राजयोग को शामिल करना समय और परिस्थितियों की मांग है। पूर्ण मनोयोग व स्वेच्छा से अध्यात्म को स्वयं की जीवनशैली में आत्मसात करने से कई प्रकार के असाध्य रोगों से निजात पाई जा सकती है। जी.बी. पंत पी.जी.आई.एम.एस.अस्पताल दिल्ली, कार्डियोलॉजी प्रो. डॉ. मोहित गुप्ता ने कहा कि स्वास्थ्य के चार स्तंभ हैं

किए गए उपचार के बेहतर परिणाम प्राप्त होते हैं। अवेकनिंग विद् ब्रह्माकुमारीज प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर ब्र.कु. शिवानी ने अपने जीवन का अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे नियमित रूप से राजयोग आध्यात्मिक चिन्तन व्यायाम करती हैं, जिसके परिणाम स्वरूप हमेशा मन में सकारात्मक ऊर्जा का निर्माण होता रहता है। ब्रह्माकुमारी संगठन कार्यकारी सचिव ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि सर्वांगीण स्वास्थ्य विकास को लेकर सुप्रीम सर्जन परमात्मा से मन के तार जोड़ने के लिए नियमित रूप से सकारात्मक चिंतन व राजयोग का अभ्यास करना चाहिए। ग्लोबल अस्पताल निदेशक डॉ. प्रताप मिहड़ा

चार दिवसीय चिकित्सक सम्मेलन में भारत के हर प्रांत तथा नेपाल से पहुंचे सैंकड़ों चिकित्सक

दया, देखभाल, समझ व विश्वास। इन चार स्तंभों पर आधारित जीवनशैली को सुखमय बनाने के लिए मेडिसिन के साथ मेडिटेशन करना अनिवार्य है। पद्मश्री शंकर नेत्र फाउंडेशन मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. आरवी रमनी ने कहा कि चिकित्सक की मनोदशा के वायब्रेशन भी मरीज को प्रभावित करते हैं। आध्यात्मिक मनोवृत्ति से

ने कहा कि स्वयं के आंतरिक सशक्तिकरण से ही अनेक प्रकार की बीमारियों से बचा जा सकता है। इसके लिए शुद्ध खाना-पान व संयमित दिनचर्या का होना जरूरी है। इस अवसर पर मेडिकल विंग सेक्रेटरी डॉ. ब्र.कु. बनारसी, प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉ. गिरिश पटेल सहित अन्य ने विचार व्यक्त किए।



मंचासीन कर्नल शिव सिंह, कर्नल बी.सी. सती, निदेशक रि.पु.बल के.एस. भंडारी, पुलिस महानिदेशक अजय कश्यप, ब्र.कु. शुक्ला, ब्र.कु. अशोक गाबा

कश्यप ने कहा कि त्याग, तपस्या, सेवा की प्रतिभूति सुरक्षाकर्मी अपने कर्तव्यों के प्रति हर समय सजग रहते हैं। देश के हर नागरिक की प्रतिष्ठा की रक्षा करना सुरक्षा बलों की प्राथमिकता है। ब्रह्माकुमारी संगठन की ओर से अध्यात्म के जरिए दिया जा रहा राजयोग का प्रशिक्षण तनावजन्य परिस्थितियों में हर सुरक्षाकर्मी के लिए जरूरी है। अतिरिक्त पुलिस

आंतरिक सुरक्षा अकादमी के रि.पु. बल के.एस. भंडारी ने कहा कि स्वयं को बुराइयों से सुरक्षित रखने की सबसे बड़ी चुनौती से निपटने के लिए अध्यात्म की गहराई में जाना अनिवार्य है। जब तक स्वयं को मन से सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित नहीं किया जाता तब तक बाहरी सुरक्षा की सफलता में भी कठिनतम चुनौतियों का सामना करने के लिए विवश

शुक्ला ने कहा कि अपने दायित्व को निभाने के लिए धैर्य, साहस व कुशलतापूर्वक निर्वहन करने की जरूरत है। कर्नल बी.सी. सती, कर्नल जितेंद्र सिंह, कर्नल ए. घोषाल, कर्नल शिव सिंह, वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु.दीपा ने भी जीवनशैली में अध्यात्म के विभिन्न बिंदुओं का सहज रूप से समावेश करने पर प्रकाश डाला।

तनाव मुक्ति के लिए मेडिटेशन को जीवन का हिस्सा बनायें

- तनाव मुक्ति के लिए नियमित मेडिटेशन अतिआवश्यक
- ब्रह्ममूर्त उठना स्वास्थ्य और सुख-शांति पाना
- भागदौड़ भरी जिन्दगी में मेडिटेशन देता है राहत
- मोबाइल क्रांति ने मानसिक शांति को किया विचलित

ज्यूरी-रामपुर बुशहर (हि.प्र.)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ज्यूरी शाखा के माध्यम से ईश्वरीय स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यअतिथि प्रदेश वन निगम के चेयरमैन सूरत नेगी व ओमशांति मीडिया पत्रिका के मुख्य सम्पादक ब्र.कु. गंगाधर ने शिरकत की। इस कार्यक्रम में पंजाब, गुजरात, जिला किन्नौर, झाखड़ी व रामपुर सहित अन्य क्षेत्रों से, संस्था से जुड़े भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया। इस मौके पर मुख्य सम्पादक ब्र.कु. गंगाधर ने बताया कि ईश्वरीय विश्वविद्यालय में मेडिटेशन के माध्यम से स्वयं को स्वयं से मिलाने का कार्य किया जाता है। मोबाइल की क्रांति ने मानसिक शांति को विचलित कर दिया है। इसके अलावा मेडिटेशन

के माध्यम से मन को शुद्ध करना व बुद्धि को श्रेष्ठ बनाना शामिल है।

कहा कि एक घंटा प्रतिदिन मेडिटेशन कर मन की शांति हासिल करें।

शुभ भावना रखें। और एक दूसरों को सहयोग कर समाज को तरक्की की

विश्वविद्यालय का अहम योगदान है। तनाव को दूर करने के लिए मेडिटेशन की आवश्यकता है। इस अवसर पर ब्र.कु. पुष्पा, ब्र.कु. लक्ष्मी, ब्र.कु. मोनिका व सहायक अभियंता आई.पी.एच. कृष्ण शर्मा, भाजपा शक्ति केन्द्र अध्यक्ष देवराज नेगी, प्रधान निचार राजपाल नेगी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। और ब्र.कु. लक्ष्मी ने सभी को मेडिटेशन कराकर गहन शांति की अनुभूति कराई। स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. डोलमा ने आये हुए अतिथियों का स्वागत किया। और कार्यक्रम में रामपुर क्षेत्र से जुड़े कई गणमान्य हस्तियां उपस्थित हुईं। और कार्यक्रम बहुत ही रमणीक एवं सफल रहा। बीच में दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। और स्वागत गीत पर बालिकाओं ने नृत्य भी प्रस्तुत किया।



मंचासीन ब्र.कु. लक्ष्मी, ब्र.कु. मोनिका, राजपाल नेगी, देवराज नेगी, सूरत नेगी, ब्र.कु. गंगाधर, ब्र.कु. पुष्पा तथा ब्र.कु. डोलमा।

उन्होंने कहा कि हमारी प्राचीन संस्कृति है सुबह जल्दी उठना और रात्रि जल्दी सोना। ब्रह्ममूर्त उठने पर शारीरिक रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। और मन की शांति बरकरार रहती है। उन्होंने

राजयोग मेडिटेशन एक जीवन पद्धति है। मनुष्य को मिली हुई परमात्म प्रदत्त शक्तियों को स्व एवं दूसरों के कल्याण अर्थ लगायें। सबके जीवन में खुशहाली हो ऐसी कामना करें और

ओर ले जाने का प्रयास करें। प्रदेश वन निगम के चेयरमैन सूरत नेगी ने कार्यक्रम में आए लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि समाज को दिशा व विकास में ब्रह्माकुमारी